देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 109 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...सफल सियासी ट्रेंड

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 26 जुलाई 2020

मौसम अधिकतम 30.0° न्यूनतम 24.0° | 38128.90 | 2 प्रचंड बोले-टूट सकती है पार्टी | 7 सचिन ने की इंग्लैंड के क्रिकेटर की तारीफ

संक्षिप्त समाचार

शिवराज सिंह चौहान हुए कोरोना पॉजिटिव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कोरोना वायरस से संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने खुद ट्वीट करके इस बात की जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि मुझे कोविड-19 के लक्षण आ रहे थे, टेस्ट के बाद मेरी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। वहीं शिवराज सिंह चौहान के कोरोना संक्रमित होने की जानकारी के बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने प्रतिक्रिया दी है। दिग्विजय ने ट्वीट कर कहा कि आपको सोशल डिस्टंसिंग का ख्याल रखना था जो आपने नहीं रखा। मुझ पर तो भोपाल पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली थी आप पर कैसे करते।

श्रीनगर मुठभेड़रू लश्कर टॉप कमांडर राशिद ढेर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में भारतीय सेना को बड़ी कामयाबी मिली है। इस मुठभेड़ में दो आतंकियों को मार गिराया गया है। दो आंतकियों में से एक लश्कर-ए-तैयबा का टॉप कमांडर है जबकि एक दूसरा आतंकी भी इसी आतंकी संगठन से जुड़ा है। शनिवार सुबह जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक दल के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन शुरू किया। इस मुठभेड़ में एक सीआरपीएफ जवान के घायल होने की भी सूचना है।

उत्तर-मध्य भारत में मॉनसून में हो सकती है कमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एक नए अध्ययन में यह सामने आया है कि इस साल मॉनसून के कम-दबाव तंत्र के घटने का अनुमान है जिससे उत्तर-मध्य भारत में बारिश में काफी कमी आ सकती है। अमेरिका की एक अनुसंधान एजेंसी के अध्ययन में यह बात सामने आई है। राष्ट्रीय महासागरीय एवं वायुमंडलीय प्रशासन का यह अध्ययन शुक्रवार को प्रकाशित हुआ है।

तेजी से बढ़ाएं कोविड टेस्टिंग

कोरोना वायरस पर मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने अधिकारियों को दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कोविड टेस्टिंग तेजी से बढ़ाई जाय। कोविड अस्पतालों में प्रत्येक बैड के साथ ऑक्सीजन सिलेण्डर की व्यवस्था की जाय। वर्षाकाल को ध्यान में रखते हुए कोविड से संबधित आवश्यक सामग्रियों का पर्याप्त स्टॉक रखा जाय। फ्रंट लाईन वर्कर की सुरक्षा का ध्यान रखा जाय। यह सुनिश्चित किया जाय कि फ्रंट लाईन वर्कर फेस सील्ड, मास्क एवं अन्य मानकों का पालन करें।

कोविड-19 के दृष्टिगत औद्योगिक संस्थानों में पूरे सुरक्षात्मक उपाय किये जाए। यह सुनिश्चित किया जाय कि औद्योगिक संस्थानों में कार्य भी प्रभावित न हो और संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सर्विलांस सिस्टम और मजबूत हो।

औद्योगिक संस्थानों में पूरे सुरक्षात्मक उपाय किये जाए

सोशल मीडिया पर गलत अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कारवाई की जाय। इंटेलीजेंस, एलआईयू एवं सूचना विभाग इस पर निरंतर निगरानी रखें। कोविड अस्पतालों में सीनियर डॉक्टर लगातार विजिट करें। मुख्यमंत्री ने शनिवार को सचिवालय में कोविड 19 के संक्रमण तथा बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग एवं जिलाधिकारियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कोविड पर प्रभावी नियंत्रण एवं आवश्यक संसाधनों के उपलब्धता के लिए इण्टर डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेशन बनाकर रखें। कोविड केयर सेंटर में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करायी जाय। कोविड से निपटने के लिए धन का कोई अभाव नहीं है।

राज्य के बोर्डर पर नियमित निगरानी की आवश्कता: गढ़वाल कमिश्नर

गढ़वाल कमिश्नर रविनाथ रमन ने कहा कि राज्य के बोर्डर पर नियमित निगरानी की आवश्कता है। राज्य में ऑफिशयल एवं पर्सनल पर्पज से आने वाले लोगों की पूरी जानकारी रखी जाय। कुमांऊं कमिश्नर श्री अरविन्द सिंह ह्यांकी ने कहा कि जिलाधिकारियों टू-नेट मशीन से टेस्टिंग बढ़ानी होगी। इससे रिपोर्ट भी जल्द प्राप्त होगी।

लापरवाही करने वाले अधिकारियों पर सख्त कारवाई की जाय

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग राज्य से अन्य राज्यों में जा रहे हैं या अन्य राज्यों से आ रहे हैं, कोई गलत जानकारी दे रहे हैं या सच्चाई को छिपा रहे हैं। ऐसे लोगों पर सख्त कारवाई की जाय। हाई रिस्क ऐरिया से आने वाले सभी लोगों की सैंपलिंग की जाय।

आवश्यक संसाधन के साथ मेनपावर का होना जरूरी: सचिव स्वास्थ्य

सचिव स्वास्थ्य अमित नेगी ने कहा कि कोविड पर नियंत्रण के लिए मेनपावर का विशेष ध्यान दिया जाय। आवश्यक संसाधन के साथ मेनपावर का होना जरूरी है। सभी जिलाधिकारी आवश्यक सामग्रियों हेतु 02 माह का प्लान बनाकर रखें। होम क्वारंटीन का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कारवाई की जाय। गम्भीर मामलों को सीनियर चिकित्सक व्यक्तिगत देखें, सीएमओ एवं जिलाधिकारी इसकी नियमित मॉनिटरिंग करें। मृत्युदर को बढ़ने से रोका जाय एवं डेथ ऑडिट भी प्रोपर तरीके से हो।

जरूरत पड़ी तो हम राष्ट्रपति से मिलने जाएंगे

गहलोत ने खोला मोर्चा, पीएम आवास पर भी प्रोटेस्ट की तैयारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जयपुर। राजस्थान में जारी सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का बड़ा बयान सामने आया है। जयपुर में कांग्रेस विधायक दल की बैठक में उन्होंने कहा कि अगर जरूरत हुई तो राष्ट्रपति भवन जाएंगे और राष्ट्रपति से मिलेंगे। अगर जरूरत पड़ी तो प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन भी करेंगे। विधानसभा सत्र बुलाने की मांग को लेकर सीएम गहलोत एक बार फिर से राज्यपाल कलराज मिश्र से आज शाम मुलाकात करेंगे।

जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का पहले शाम चार बजे राज्यपाल कलराज मिश्र से मिलने का कार्यक्रम था। हालांकि, अब ऐसी खबर है कि सीएम शाम तक में

राज्यपाल से मिलेंगे बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष

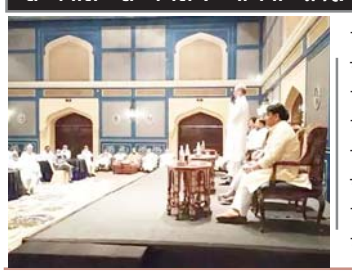

दूसरी ओर, बीजेपी के नेता राज्यपाल कलराज मिश्र से मिलने पहुंच रहे हैं। राज्य में कोरोना और उससे उत्पन्न स्थितियों को लेकर राज्यपाल राजस्थान बीजेपी का एक प्रतिनिधिमंडल मुलाकात करेगा।

राज्यपाल से मिलेंगे। मुख्यमंत्री आवास पर कैबिनेट की बैठक होगी। बैठक में चर्चा के बाद राज्यपाल से मुलाकात का कार्यक्रम तय होगा। इससे पहले जयपुर के फेयरमोंट होटल में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई।

जरूरत पड़ी तो पीएम के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे

इस बैठक के दौरान मौजूदा सियासी हालात पर चर्चा हुई। इस दौरान सीएम अशोक गहलोत ने कहा, जरूरत पड़ने पर हम राष्ट्रपति से मिलने राष्ट्रपति भवन जाएंगे। साथ ही, आवश्यकता पड़ने पर हम पीएम के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

अशोक गहलोत विधानसभा में बहुमत परीक्षण के जरिए विरोधियों को जवाब देना चाहते हैं। ये बताना चाहते हैं कि सचिन पायलट के अलग होने से उनकी सरकार को कोई खतरा नहीं है।

कोरोनाः 48 घंटे में एक लाख केस, डरा रही रफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत में कोविड -19 के प्रकोप को रोकने के लिए बीते चार महीनों से लागू किए गए सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के बाद भी हर दिन संक्रमितों की संख्या में भारी इजाफा देखा जा रहा है। देश में शनिवार को कुल 48,916 नए कोरोनो वायरस मामले सामने आए हैं, जबकि इससे एक दिन पहले यानी शुक्रवार को 49,310 संक्रमण के मामले सामने आए थे। इन 48 घंटों में संक्रमण के कुल 98,226 मामले सामने आ चुके हैं, जो कि करीब 1 लाख के आसपास है।

देश में संक्रमण के कारण बीते 24 घंटों में 787 लोगों ने दम तोड़ दिया। वहीं सरकार भी नोवल कोरोना वायरस के रोकथाम के लिए एक टीका के साथ आने के लिए जोरशोर से प्रयास कर रही है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाया जा सके।

इसी बीच अधिकारियों ने छह शहरों में स्वदेशी टीकों के मानव परीक्षण की शुरुआत कर दी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की वेबसाइट पर उपलब्ध ताजे आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल मामलों की संख्या 13,36,861 तक पहुंच गई, जिनमें से 31,388 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 8,49,432 लोग इससे ठीक हो चुके हैं। सक्रिय मामलों की कुल संख्या 4,56,071 है। मंत्रालय ने कहा कि देश में रिकवरी दर 63.53 प्रतिशत है।

कोरोना अपडेट

भारत में कुल मामलों की संख्या 13,36,861 तक पहुंची

ट्रायल के लिए 3500 लोगों ने कराया है रजिस्ट्रेशन

दिल्ली एम्स में कोवाक्सीन के पहले चरण का ह्यूमन ट्रायल चल रहा है। इस चरण में संस्थान को 100 वॉलंटियर्स पर ट्रायल करना है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली एम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने के लिए करीब 3500 लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

चीनी सरकार और वैज्ञानिकों में जंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। चीन के सरकारी परमाणु संस्थान द इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी सेफ्टी टेक्नोलॉजी (आईनेस्ट) में काम करने वाले 90 से ज्यादा वैज्ञानिकों ने इस्तीफा दे दिया है। जिसके बाद घबराई सरकार ने इसे ब्रेन ड्रेन मानते हुए जांच के आदेश दिया है। इतनी बड़ी संख्या में वैज्ञानिकों के इस्तीफे के पास

मुश्किलें

सरकारी एटमिक सेंटर के 90 साइंटिस्ट्स ने दिया इस्तीफा

इस संस्थान को चलाने के लिए बहुत कम साइंटिस्ट ही बचे हैं।

इस्तीफा देने के कई कारण: मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वैज्ञानिकों के इस्तीफा देने की कई वजहें हैं। जिसमें से उनके वेतनमान में गड़बड़ी और सरकारी सुविधाओं की कमी भी प्रमुख मुद्दा है। वहीं, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी इस संस्थान पर अपना पूरा अधिकार जमाए हुए है। कहा जा रहा है कि पार्टी के बड़े नेता जबरदस्ती वैज्ञानिकों से काम करवाना चाहती है। इस संस्थान में लगभग 600 सदस्य हैं और 80 प्रतिशत शोधकर्ताओं के पास पीएचडी की डिग्री है।